

प्रेषक,

आर0सी0 लोहनी,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून ।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 25 फरवरी, 2011

विषय : अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत नहर निर्माण की योजना की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति एवं बजट आवंटन विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं0-1391/मुअवि/बजट/बी-1 योजना, दि0-22.04.2010, पत्र सं0-3117/मुअवि/बजट/बी-1 योजना, दि0-17.08.2010 एवं पत्र सं0-3935/मुअवि/बजट/बी-1 योजना, दि0-26.11.2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य सैक्टर पक्ष में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत संलग्नक-1 में उल्लिखित 02 योजनाओं, जिनकी टी0ए0सी0 से परीक्षित कुल लागत ₹ 237.17 लाख (₹ दो करोड़ सैतीस लाख सत्रह हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति निर्गत किये जाने एवं चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में ₹ 60.00 लाख (साठ लाख मात्र) व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्न शर्तों के साथ रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है, तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
2. धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।
3. धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
4. उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमावली तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
5. जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
6. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के निस्तारण पर रखी जा रही धनराशि को आहरण एवं वितरण अधिकारियों को प्राविधान/परिव्यय, जो भी कम हो, की सीमा तक तत्काल अवमुक्त किया जाए जिससे क्षेत्रीय स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।

8. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-17 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
 9. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
 10. विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
 11. त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दि0 31 मार्च, 2010 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
 12. धनराशि आहरण सी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
 13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान सं0-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4700 मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 06-निर्माणाधीन सिंचाई नहरें-800-अन्य व्यय-02-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-910/XXVII(2)/2010 दिनांक 24 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(आर0सी0 लोहनी)
संयुक्त सचिव

संख्या: 3460(1)/11-2010-03(12)/2010 टी.सी., तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, सिंचाई मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
3. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून, /टिहरी।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,

(आर0सी0 लोहनी)
संयुक्त सचिव।

शासनादेश संख्या 3460/ I I-2010-03(12)/2010, दिनांक 20/03/2010 का संलग्नक

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र०सं०	योजना का नाम	टी०ए०सी०, वित्त से परीक्षित लागत (लाख ₹ में)	वित्तीय वर्ष 2010-11 में प्रस्तावित आवंटन
1	जनपद देहरादून के डोईवाला वि०ख० में अनुसूचित जाति बाहुल्य बड़कोट क्षेत्र की 3.40 किमी० पुरानी गूलों के पुनरोद्धार एवं 9.76 किमी० नई पक्की गूलों के निर्माण की योजना	151.16	35.00
2	जनपद टिहरी गढ़वाल के नरेद्रनगर वि०ख० में 7.70 कि०मी० नहरों के निर्माण की योजना	86.01	25.00
	योग	237.17	60.00

(आर०सी० लोहनी)
संयुक्त सचिव।